25-09-2023

NSI director Prof Mohan conferred 'Technical Excellence Award'

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Director, National Sugar Institute (NSI), Prof Narendra Mohan, was conferred 'Technical Excellence Award' by Tanaji Sawant, Minister of Public Health and Family Welfare, Maharashtra during the Annual Convention of Deccan Sugar Technologists Association currently being held at Pune. The award has been given to Prof Mohan for innovative technologies developed by him for producing different sugar qualities as per market requirement and for valourization of by-products and waste of sugar industry. The untiring efforts of Prof Mohan had made a shift in the business model of the Indian sugar industry making it more viable and sustainable, said SS B Bhad, President, Deccan Sugar Technologists Association. Anup Kanaujia, Assistant Professor of Sugar Engineering of the institute was also felicitated for his research article "Self Sustainable Indian Sugar Industry". Addressing the gathering Prof Mohan said sugar quality was the term applied to raw sugar to describe the chemical composition of the sugar and its fitness for the purchaser's intended use. He added that more often than not, this involved refining to white sugar. He said another prominent aspect was hydrolysis of sugarbeet pulp which was an important route to convert to valourize it into reducing sugars which can be further treated through other techniques to produce other useful products such as bioethanol, bioplastics, biogas, and chemicals such as prebiotics, furfural and therapeutics. He said the endeavour of NSI was to reach the topmost rungs of research ladder. He said the credit goes to the entire team of NSI which works hard and with devotion to achieve newer heights.

पुणे में सम्मानित किए गए एनएसआई के निर्देशक

संवाददाता
अरुण जोशी

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को पुणे में आयोजित डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन के दौरान तानाजी सावंत, कैबिनेट मंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महाराष्ट्र द्वारा तकनीकी उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर मोहन को यह पुरस्कार बाजार की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न गुणवत्ता वाली चीनी का उत्पादन करने और चीनी उद्योग के सह उत्पादों और अपशिष्टों से मूल्य वर्द्धित उत्पाद बनाने के लिए उनके द्वारा विकसित नवीन प्रौद्योगिकियों के लिए दिया गया है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक के अथक प्रयासों ने भारतीय चीनी उद्योग के व्यवसाय मॉडल में बदलाव किया है, जिससे यह अधिक व्यवहार्य और टिकाऊ बन गया है, एसबी भड़, अध्यक्ष, डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा इस अवसर पर संस्थान के श्री अनूप कनौजिआ, सहायक आचार्य शुगर इंजीनियरिंग को भी उनके शोध पत्र आत्मनिर्भर चीनी उद्योग के लिए पुरुस्कृत किया गया।

प्रो. नरेंद्र मोहन को मिला तकनीकी उत्कृष्टता पुरस्कार

एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को तकनीकी उत्कृष्टता पुरस्कार मिला। संवाद

कानपुर। चीनी उद्योग के व्यावसायिक मॉडल में बदलाव करने और बाजार की मांगों के अनुरूप उद्योगों को ढालने के लिए नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को तकनीकी उत्कृष्टता पुरस्कार से नवाजा गया है।

यह पुरस्कार उन्हें पुणे में डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में दिया गया। महाराष्ट्र के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तानाजी सावंत ने पुरस्कार दिया है। एनएसआई ने बाजार की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न गुणवत्ता वाली चीनी का उत्पादन और चीनी उद्योग के सह उत्पादों और अपशिष्टों से मूल्यवर्धित उत्पाद बनाने के लिए नई तकनीकें विकसित की हैं। डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष एसबी भड़ ने कहा कि देश के चीनी उद्योग व्यावसायिक मॉडल में प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बदलाव किया है। इससे यह अधिक मजबूत बन गया है। शुगर इंजीनियरिंग के सहायक आचार्य अनूप कनौजिया को उनके शोध आत्मनिर्भर चीनी उद्योग के लिए पुरस्कृत किया गया। (ब्यूरो)

समाचार सार

एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन को मिला तकनीकी उत्कृष्टता पुरस्कार

सम्मान ग्रहण करते एनएसआई के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन।

कानपुर, 24 सितम्बर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन को पुणे में आयोजित डेक्कन शुगर टेक्नोलाजिस्ट एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन के दौरान कैबिनेट मंत्री तानाजी सावंत ने उन्हे तकनीकी उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। निदेशक को यह पुरस्कार बाजार की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न गुणवत्ता वाली चीनी का उत्पादन करने और चीनी उद्योग के सह उत्पादों और अपशिष्टों से मूल्य वर्द्धित उत्पाद बनाने के लिए उनके द्वारा विकसित नवीन प्रौद्योगिकी के लिए दिया गया। डेक्कन शुगर टेक्नोलाजिस्टस एसोसिएशन के अध्यक्ष एस.बी. भड़ ने कहाकि निदेशक के अथक प्रयासों की वजह से भारतीय चीनी उद्योग के व्यवसाय माडल में बदलाव हुआ। जिससे यह अधिक व्यवहार्य और टिकाऊ बन गया है। इस अवसर पर संस्थान के सहायक आचार्य अनूप कनौजिया को भी उनके शोध पत्र आत्मनिर्भर चीनी उद्योग के लिए पुरस्कृत किया गया।

एनएसआई निदेशक को तकनीकी उत्कृष्टता पुरस्कार से किया गया सम्मानित

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को पुणे में आयोजित डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन के दौरान श्री तानाजी सावंत,कैबिनेट मंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महाराष्ट्र द्वारा तकनीकी उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर मोहन को यह पुरस्कार बाजार की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न गुणवत्ता वाली चीनी का उत्पादन करने और चीनी उद्योग के सह - उत्पादों और अपशिष्टों से मूल्य वर्द्धित उत्पाद बनाने के लिए उनके द्वारा विकसित नवीन प्रौद्योगिकियों के लिए दिया गया है।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक के अथक प्रयासों ने भारतीय चीनी उद्योग के व्यवसाय मॉडल में बदलाव किया है, जिससे यह अधिक व्यवहार्य और टिकाऊ बन गया है. श्री एस बी भड़, अध्यक्ष, डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा। इस अवसर पर संस्थान के अनूप कनौजिआ, सहायक आचार्य शुगर इंजीनियरिंग को भी उनके शोध पत्र आत्मनिर्भर चीनी उद्योग के लिए पुरुस्कृत किया गया।